संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

G20 भारत 2023 INDIA

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 2 • अंक 8 • अगस्त 2024

Volume 2 • Issue 8 • August, 2024

कला मंथन

संगीत का प्रभाव मुनष्य की आत्मा पर पड़ता है। संगीत के कारण चरित्र प्रभावित होते हैं। गीतों के कारण उत्साह बढ़ता है। उत्साह आत्मा के नैतिक भाग के संवेग का कार्य करता है। यदि संगीत लयरहित भी रहा अथवा उसमें स्वर की मधुरता नहीं भी रही तब भी उसको लेकर सहानुभूति की भावना जागृत होती है। लय तथा स्वर मधुरता के कारण क्रोध तथा साम्यता, शौर्य तथा संयम, सद्गुण तथा दुर्गुण इनकी अनुकृति की प्राप्ति होती है। यह अनुकृति किसी भी वास्तविक भावना से कम नहीं होती क्योंकि इस प्रकार के संगीत से मनुष्य में परिवर्तन आ सकता है। वस्तु के प्रस्तुतिकरण तथा उसका मूल स्वरूप इन दोनों से आनंद की प्राप्ति हो सकती है, ऐसा अरिस्टॉटल का कहना है। उनका ऐसा भी मानना है कि दृष्टि ज्ञानेंद्रीय को छोड़कर अन्य ज्ञानेंद्रियों का नैतिक गुणों से कोई संबंध नहीं होता। दृष्टि में ही कुछ नैतिक गुण होते हैं क्योंकि 'आकारों' में कुछ मात्रा में नैतिक चरित्र होता है। पात्रों की मानसिक विचारधारा एवं उसके कार्यव्यापार में एकरूपता होनी चाहिए, इस बात को अरिस्टॉटल ने स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया है।

इस बात को मान भी लिया जाए कि संगीत चरित्र निर्माण करता है, फिर भी संगीत सीखना आवश्यक नहीं। उसे सुनकर भी आनंद की प्राप्ति होती है। प्रश्न यह है कि क्या संगीत शिक्षा का अंग है? संगीत शिक्षा, मनोरंजन एवम् आनंद-प्राप्ति इनमें से किसका अंग है? थोड़ा विचार करने पर यह बात ध्यान में आएगी कि संगीत इन तीनों का अंग है। थकने के बाद विश्रांति के लिए मनोरंजन की आवश्यकता होती है। विश्राम से कष्ट दूर हो जाते हैं। हमें बौद्धिक आनंद की भी आवश्यकता होती है। आनंद प्रदान करने वाली वस्तुओं में संगीत सर्वश्रेष्ठ है, इस बात को लेकर मानव में एक मत है, फिर उसमें चाहे गीत हो अथवा न भी हो। इसलिए सामाजिक उत्सवों में भी संगीत का उपयोग होता है, क्योंकि उससे प्रसन्नता मिलती है।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

अगस्त 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

स्वतंत्रता दिवस

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली और गुवाहाटी, हैदराबाद, उदयपुर तथा दमोह स्थित इसके चारों क्षेत्रीय केन्द्रों में 15 अगस्त 2024 को 78वां स्वतंत्रता दिवस समारोह पूरे धूमधाम और उल्लास के साथ मनाया गया। मुख्यालय, नई दिल्ली में अध्यक्ष सीसीआरटी द्वारा ध्वजारोहण और संबोधन के बाद माननीय प्रधानमंत्री के 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान को साकार करते हुए मुख्यालय परिसर स्थित लॉन में 78 पौधे लगाए गए।

सीसीआरटी द्वारा 'हर घर तिरंगा' रन का आयोजन

इस भागीदारी में दिल्ली के 1500 से अधिक स्कूली बच्चों और 11 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 58 शिक्षकों ने हिस्सा लिया। इस तिरंगा रन में स्थानीय समुदाय भी शामिल हुआ।

नई दिल्ली, 13 अगस्त, 2024: सांस्कृतिक संसाधन और प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने 13 अगस्त 2024 को नई दिल्ली में हर घर तिरंगा के राष्ट्रव्यापी अभियान के तहत **'हर घर तिरंगा रन'** का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्कृति मंत्रालय के आज़ादी का अमृत महोत्सव की निदेशक श्रीमती प्रियंका चंद्रा ने किया और नई दिल्ली के द्वारका में सीसीआरटी मुख्यालय में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीकात्मक उत्सव और देश की स्वतंत्रता की यात्रा की याद में आयोजित 'हर घर तिरंगा रन' में सर्वोदय बाल विद्यालय, एच-ब्लॉक सुल्तानपुरी, सर्वोदय कन्या विद्यालय, एच-ब्लॉक सुल्तानपुरी और एम.एल. खन्ना डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-6, द्वारका के 1,500 से अधिक स्कूली बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। देशभक्ति के इन युवा प्रतिनिधियों के साथ सीसीआरटी में 489वें अनुस्थापन कोर्स में भाग ले रहे 11 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 58 शिक्षक प्रशिक्षकों और समर्पित सीसीआरटी स्टाफ सदस्यों ने 2 कि.मी. की रन में भाग लिया, जिसमें एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना समाहित थी।

तिरंगे से सजी टी-शर्ट पहने प्रतिभागियों ने सीसीआरटी के मुख्य द्वार से रन शुरू की और सड़कों पर राष्ट्रीय ध्वज के साथ आगे निकले। यह मार्ग उन्हें द्वारका सेक्टर-7 के व्यस्त व्यावसायिक बाजार से ले गया, जहाँ युवा और वृद्ध सभी 'हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा', 'भारत माता की जय' और 'जय हिंद' जैसे नारे लगाते हुए दर्शकों में देशभक्ति की भावनाएँ जागृत करने में सफल हुए। प्रतिभागियों की ऊर्जा और जोश से प्रेरित होकर, जनता ने सहज रूप से रन में भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में एकता और राष्ट्रीय गौरव की एक शक्तिशाली लहर पैदा हुई।

यह रन सीसीआरटी के गेट नंबर 2 पर समाप्त हुई, जहाँ प्रतिभागियों का स्वागत जलपान के साथ किया गया, जो देश की कृतज्ञता और स्वतंत्रता दिवस के जश्न में एक साथ आने की साझा खुशी का प्रतीक था। रन के बाद प्रतिभागियों को पहले स्थापित एक विशेष तिरंगा सेल्फी बूथ पर उस पल को कैद करने और राष्ट्र के प्रति अपने गौरव को साझा करने का मौका मिला। इसके अतिरिक्त, एक विशाल कोरा कैनवस प्रदान किया गया, जिस पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक देशभक्ति के नारे लिखे, जो स्वतंत्रता और एकता की भावना के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हैं।

यह कार्यक्रम सांस्कृतिक रूप से समृद्ध 'तिरंगा संगीत कार्यक्रम' के साथ जारी रहा, जिसमें सीसीआरटी द्वारा पोषित विविध प्रतिभाओं का प्रदर्शन किया गया। सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारक मास्टर कंदन सुरेश ने भावपूर्ण बांसुरी वादन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जबकि स्वर कृष्ण समूह ने समकालीन नृत्य प्रस्तुति से सभी को मोहित कर दिया। संगीत कार्यक्रम का समापन सीसीआरटी छात्रवृत्ति धारकों द्वारा भारतीय शास्त्रीय नृत्य को पश्चिमी समकालीन शैलियों के साथ मिश्रित करते हुए एक फ्यूजन नृत्य प्रदर्शन के साथ हुआ, जो भारत की पारंपरिक और आधुनिक सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतीक था।

यह कार्यक्रम राष्ट्रीय पहचान और गौरव की भावना को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक विरासत के महत्त्व का एक अविस्मरणीय प्रदर्शन था। यह केवल एक रन नहीं थी, बल्कि भारत के सांस्कृतिक परिदृश्य के माध्यम से एक यात्रा थी, जो हमें हमारी स्वतंत्रता के लिए किए गए बलिदानों और उस विरासत का सम्मान करने की हमारी जिम्मेदारी की याद दिलाती है।

सीसीआरटी में हर घर तिरंगा रन और तिरंगा संगीत कार्यक्रम एक शानदार सफलता थी, जो स्वतंत्रता दिवस समारोह की सच्ची भावना को दर्शाता है। यह आयोजन राष्ट्र को एकजुट करने और प्रत्येक नागरिक के हृदय में देशभक्ति की ज्वाला प्रज्वलित करने में संस्कृति की स्थायी शक्ति का प्रमाण था।

माननीय केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा सीसीआरटी मुख्यालय का दौरा

माननीय केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने 28 अगस्त 2024 को सीसीआरटी मुख्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर आयोजित विशेष बैठक में उन्होंने अध्यक्ष सीसीआरटी, संयुक्त सचिव संस्कृति मंत्रालय, निदेशक सीसीआरटी की उपस्थिति में सीसीआरटी के कार्यक्रमों और कार्यप्रणाली का जायजा किया। तत्पश्चात् उन्होंने केन्द्र के मुख्य सभागार में उपस्थित सभा को संबोधित करते हुए कहा कि कला के संरक्षण एवं आने वाली पीढ़ियों में संस्कृति के विभिन्न आयामों के बीजारोपण में सीसीआरटी का योगदान अभिनंदनीय है। उन्होंने आगे कहा कि देश की वर्तमान पीढ़ी अत्यंत सौभाग्यशाली है और यह वो पीढ़ी है जो बदलते भारत को देख रही है और आने वाले समय में गर्व से कह सकेगी कि हम देश में बदलाव लाए। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत अपनी सांस्कृतिक शक्ति के आधार पर ही विश्व गुरु बनेगा। उन्होंने सीसीआरटी को विशेष बधाई देते हुए कहा कि इसके द्वारा विद्यार्थियों को अपनी संस्कृति का ज्ञान करा कर उनकी शिक्षा को संपूर्ण किया जा रहा है।

प्रशिक्षण अनुभाग-I / TRAINING SECTION-I

● एनईपी-2020 के अनुरूप 489वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(05 से 17 अगस्त, 2024, सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 489वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 05 से 17 अगस्त, 2024 तक आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में 12 विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 58 शिक्षक प्रशिक्षकों (23 महिला शिक्षक प्रशिक्षकों सहित) ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों ने शैक्षिक और सांस्कृतिक विषयों पर गहन अध्ययन किया, जिसमें भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। प्रतिभागियों को सांस्कृतिक संवर्धन के महत्व को समझने के लिए नृत्य, संगीत एवं नाट्य की कक्षाओं में भी भाग लेने का अवसर मिला, जिसमें प्रोफेसर ओजेश प्रताप सिंह द्वारा हिंदुस्तानी संगीत और श्रीमती वाणी माधव द्वारा ओडिसी नृत्य के सत्र शामिल थे।

इस अनुस्थापन पाठ्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने 'हर घर तिरंगा' रन में उत्साहपूर्वक भाग लिया और तिरंगा-थीम पर आधारित शिल्प सत्रों में अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित किया। साथ ही, इस अवसर पर एक पौधारोपण अभियान भी आयोजित किया गया, जिसमें सभी ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का संकल्प लिया। इस कार्यक्रम ने न केवल उन्हें शैक्षिक दृष्टिकोण से समृद्ध किया बल्कि उनके व्यक्तित्व विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम के अंतिम दिन आयोजित सिद्धि समारोह में प्रतिभागियों ने अपनी अनुभवों को साझा किया। इस पाठ्यक्रम ने उन्हें भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं के प्रति गहरी समझ और शिक्षण में उनकी भूमिका को और भी अधिक सशक्त बनाने के लिए प्रेरित किया।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 490वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(21 अगस्त से 10 सितम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर)

सीसीआरटी के क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में 490वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 21 अगस्त से 10 सितम्बर, 2024 तक आयोजित किया जा रहा है। इस पाठ्यक्रम में 12 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 57 शिक्षकों (25 महिला शिक्षकों सहित) ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य एनईपी-2020 के अनुरूप शिक्षकों को शैक्षिक दृष्टिकोण से सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने छात्रों को न केवल शैक्षणिक बल्कि सांस्कृतिक विकास के भी नए मार्ग दिखा सकें।

इस पाठ्यक्रम में प्रतिभागियों को शैक्षिक दृष्टिकोण से व्यापक और गहन सिद्धांतात्मक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है, जिसमें भारतीय शास्त्रीय साहित्य, सांस्कृतिक विरासत और शिक्षा के विभिन्न सिद्धांत शामिल हैं। इसके तहत विभिन्न सत्रों में एनईपी-2020 के प्रमुख पहलुओं पर जोर दिया जा रहा है, जिसमें बहुभाषीय शिक्षा, समग्र विकास और सांस्कृतिक मूल्यों का संवर्धन शामिल है।

सैद्धांतिक शिक्षा के साथ-साथ, पाठ्यक्रम में व्यावहारिक पक्ष पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। प्रतिभागियों को न केवल सांस्कृतिक और कला-आधारित शिक्षण की तकनीकों का अनुभव करने का अवसर मिला है, बल्कि उन्हें कक्षाओं में इन तकनीकों को लागू करने के लिए प्रायोगिक सत्रों में भी भाग लेने का मौका मिला। इन सत्रों में प्रतिभागियों ने राजस्थान के पारंपरिक शिल्प, लोक कला एवं प्रदर्शन कलाओं में हाथ आजमाया, जो उन्हें शिक्षण के व्यावहारिक दृष्टिकोण को गहराई से समझने में मदद कर रहा है।

इसके अतिरिक्त, प्रतिभागियों के लिए शैक्षणिक सत्रों के साथ-साथ उदयपुर की सांस्कृतिक धरोहर स्थलों के दौरे भी कार्यक्रम का हिस्सा हैं। ये दौरे उन्हें भारत की सांस्कृतिक विविधता को समझने में मदद कर रहे हैं, जिसे वे अपने शिक्षण कार्य में शामिल कर सकते हैं।

इस तरह, यह पाठ्यक्रम न केवल सिद्धांत और व्यवहार के बीच संतुलन स्थापित करने में सहायक है, बल्कि यह प्रतिभागियों को एक हरफनमौला शिक्षक बनने के लिए तैयार कर रहा है, जो अपने छात्रों के संपूर्ण विकास में योगदान कर सकें।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना 2023-24 के प्रस्ताव पत्र

सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए चयनित छात्रवृत्ति धारकों को 635 प्रस्ताव पत्र भेजे गए।

"कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती" नाट्य प्रस्तुति

सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा "कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती" का नाट्य प्रस्तुतिकरण 04 अगस्त, 2024 को पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर में किया गया। इस प्रस्तुतिकरण में सीसीआरटी के 12 युवा विद्वान कलाकारों और अध्येताओं ने भाग लिया।

हर घर तिरंगा अभियान 2024 के तहत "तिरंगा संगीत कार्यक्रम"

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने हर घर तिरंगा अभियान 2024 के उपलक्ष्य में 13-14 अगस्त, 2024 को अपने नई दिल्ली परिसर में एक बहुरंगी 'तिरंगा संगीत कार्यक्रम' का आयोजन किया। इस दो दिवसीय संगीतमय कार्यक्रम के दौरान 31 प्रतिभाशाली छात्रवृत्ति धारकों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

बैच वर्ष 2022-23 के लिए संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की योजना के तहत जूनियर फेलोशिप प्रदान करने के लिए वर्चुअल/ऑनलाइन विशेषज्ञ समिति की बैठक

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) ने 2022-23 बैच के लिए संस्कृति के क्षेत्र में उत्कृष्ट व्यक्तियों को फेलोशिप प्रदान करने की योजना के तहत जूनियर फेलोशिप आवेदनों का मूल्यांकन करने के लिए एक वर्चुअल विशेषज्ञ समिति की बैठक बुलाई। साक्षात्कार 20 अगस्त, 2024 को शुरू हुए और 20 सितंबर, 2024 तक जारी रहेंगे। प्रतिष्ठित जूनियर फेलोशिप के लिए 1,690 उम्मीदवारों ने आवेदन किया है।

सीसीआरटी के छात्रवृत्ति धारकों और फेलो के लिए 26 से 28 अगस्त, 2024 तक तीन दिवसीय आवासीय शिविर

सीसीआरटी ने अपने छात्रवृत्ति धारकों और फेलो के लिए तीन दिवसीय आवासीय शिविर की मेजबानी की, जिसमें मीराबाई की रचनाओं पर आधारित एक समन्वित नृत्य और संगीत प्रस्तुति शामिल थी। माननीय केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखवात के समक्ष 28 अगस्त, 2024 को भरतमुनि नाट्यगृह, सीसीआरटी, नई दिल्ली में इस कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया और इसमें 32 प्रतिभाशाली प्रतिभागी शामिल हुए।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	सर्वोदय कन्या विद्यालय नं. 1, पालम, नई दिल्ली	8,9,12 अगस्त 2024
2.	राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी विद्यालय, हस्तसाल, नई दिल्ली	8,9,12 अगस्त 2024
3.	स्कूल ऑफ एक्सिलेंस, सेक्टर 22, द्वारका, नई दिल्ली	27-29 अगस्त 2024
4.	सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली	28 अगस्त 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जेड.पी.पी. हाई स्कूल, नागवारम, मंडल कीसरा, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	01-03 अगस्त 2024
2.	जेड.पी.पी. हाई स्कूल, मंडल कुशाईगुडा, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	07-09 अगस्त 2024
3.	जेड.पी.पी. हाई स्कूल, रमंतापुर, मंडल मेडचल, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	12-14 अगस्त 2024
4.	जेड.पी.पी. हाई स्कूल, नेरेडमेट, मंडल मेडचल, जिला मेडचल-मलकाजगिरी, तेलंगाना राज्य	22-24 अगस्त 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सरदार पटेल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, दमोह	01-03 अगस्त 2024

अगस्त 2024 महीने में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्र में कुल 2467 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम:

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र उदयपुर में 06–10 अगस्त, 2024 तक "रचनात्मक कठपुतली की विरासत" पर एक पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। पाठ्यक्रम में 10 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों – बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड से कुल 95 शिक्षक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हर घर तिरंगा अभियान

सीसीआरटी मुख्यालय नई दिल्ली और इसके चार क्षेत्रीय केंद्रों ने विस्तार सेवा एवं सामुदायिक फीडबैक कार्यक्रम के तहत "हर घर तिरंगा अभियान" का आयोजन किया गया, जिसमें नई दिल्ली में 80 शिक्षकों के साथ लगभग 2500 छात्रों ने भाग लिया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:
डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**श्री वाई. चन्द्र शेखर,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री ओम प्रकाश शर्मा,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**श्री निरंजन भुइयां,** परामर्शक सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)	**श्री के.एस.एल. गणेश,** उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)	
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली – 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी

संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर